

नाम॥ आदशः दिगुरुतः गुरुगुरुः ॥ थ न न ल्यं दायकं वायः न कृवा न न मा उ स्या
क नाग॥ शुचिः दा डलं खस न स्यः द्वा स ह थं दः वा न न मा उ स्या क नाग॥ थ
ने नीः कृनु नीः थ न न ल य न या डः क न मा उ स्या क मा॥ अ य न दि न या हाः
द्वा स ह थं दः मा उ स्या ले ति ग्य॥ रु व दा स्या न हाः रु व दा स थं नः ख व दा स्या न हा
ख व दा स थं न॥ थ न मा उ स्या क मा॥ म्नी रु न या अ गृ गृ ल ना य रु न दा वः रु न य स्या
पूः लू गृ उ म रु नि वः यि कूः दू यि नि थं द यि व॥ थ या यि कि ला द्वा म॥ शु वा रु लः
शि निः ०० वि मि तिः उ रु लः थ नि ग स हा स्यैः क लि कू द ल्य नः वा न अ गृ गृ ल
नाग॥ ०० वि मि तिः त्रि रु लाः गृ स्वा उः गुरुगुरुः क लिः शि ग थं स हा स्यै ल्य न कः
शु वा गृ गृ ल नाग॥ म्वा य अ म्ब ल गा न द्वा या वः सा ख न क लि न वा ल न कः सा न ना
य नाग॥ अ म्वा लि शिः यून या दा वः पू वा क स ला गा स न ल्यं ल वः न कू नि सा न नाग॥
अ रु न हा वः म स इ इ व ल वः ॥ न कू नि सा न नाग॥ ये वे के न लिः कृ ग न लः न व र

विष्णुः
सर्गः
५३

मठ १ कलिलतं खननस्यः युवा कसुमागसुहास्यं त्वद । न क । सा न नाग ॥ ५० ॥
यानि ह्यनुयायि किं सा क्ताय ॥ य न धनुः सा हा गः कवउविह्य कवूः जम्बयूः
नमादः मियकिहिं हहि नन । कलिन क्ता ह्यः यानि ई थ दः यानि ह्य न्द ताग ॥ ५१ ॥
गनी न स कवमि तायायि किं सा ॥ ०० विमि डि १ प्रियं गड मं स १ इद कन स्य हाः ध्य
ननवालेन कनक्रिया १ यठ का हिं क व मं स १ हा सु १ मनधि १ ऊ रिल हा १ ध्यल
ह काला वन कः नला मा १ यठ काः १ र द लः १ इद कन स्य हा ध्य ननवालेन कः खला मा ॥
१ ॥ नि क गु गि निः वा न य न क हाः यठ का हिं क व धे न नवालेन कः यि ना मा ॥
लि क गु गि निः वा न य न क हाः यठ का हिं क व धे न नवालेन कः हा ला मा ॥ ५ ॥
य क व र्तिः व ति मा लः सा र ऊ न हिं क वः ग म वा नः १ इद य १ सः दा ह्यं त्वन क

ब्रह्मा ॥ ५ ॥ सिद्धाठकः अग्निसमितिष्ठः इहसदास्यं त्यनकः क्रतुत्तामा ॥ १ ॥
 सगव्यालः लिङ्गुगिनिः धानाउवनिः डाकपुगिनिः सैतागमसं १ धावः प्र १
 इहसदास्यं त्यनकः आत्माय ॥ ६ ॥ सगव्यालः धानाउवनिः लिङ्गुगिनिः सैता
 गमसं १ धावः प्र १ इहसदास्यं त्यनकः गृत्तामा ॥ ७ ॥ शुचिः इहसदास्यं त्यनकः
 क्रिस्तामा ॥ १० ॥ थगडासनप्रवातः साममावथा कानातिदमकः भायाथासि
 कयादजायनपिब ॥ ० ॥ सामदने येनसकाडभावाः द्यावनागसाः थमाडास
 नद्राया ॥ ॥ शुचिः ॐ विमितिठिदवदानूदाः इहसदास्यं त्यकः भायाकाना
 नश्यकविधि ॥ ॥ थगमनीवसदवमिसामाडावथा ॥ ॥ ५५ ॥ सुनिका
 यानिदान ॥ ॥ अंगमई कनकम्याः पियागमगुगमगुता ॥ ॥ थगुत्तामि

सान्नसदजासि
 सायाउवनि

शुभिकायाः

सा न ॐ । सुभिका या गल कर्ष ॥ कृष्णा कृष्णा पाथ स्या यिव । का न या यिव । कृत्त
मः प्या स यमः । कृष्णा कर्मः स न दयः व्य क स्या मूळि सा न रु यिवः ॥ थ न सु
भिका या ग या ल कृष ॥ ॥ थ या यि यि ला ॥ ॥ गुं ठि क र्षा न यि प्य लि क र्ष १
स ध क र्ष १ ॥ स स या न क र्ष १ न व ड त्या य क र्ष १ य न क र्ष १ अ कृत्त १ सुभिका
या दा वृता ॥ ॥ द व दा नूः अं गु विः पिय लि मलः वृत्त क सुनिः क व त व स क वः
पूर्वा क सिला का स रु स्य त्व डः सुभिका या म ना ॥ ॥ थ न सुभिका या ॥ ॥
ह न तः । ता सुः स धः मि य वि मिः नि मः ॐ ठि मि तिः य मि मी त ३ ल र्ष
कृत्त १ सा इ इ कृत्त १ सा य १ थ न वृत्तः इ इ वा गल ना ॥ ॥ न कृ मि स्या न

ॐ ह न । या म रु व मि हा । द क वि निः ॥ थ न व या म । इ इ म न कृ न र्ष १ ॥

[illegible]

मन्त्रादिप्रमाण

या हा नः मि निरवा स य ह्यः । का पन स धा न य ह्यः । मूल ख या क सः । या चि कू ठि का या व
 नः । जे कू न ग्व ठ १ स ठि का न य ह्यः । त्य रू रू नि न व्या ड नः । न ना नः । भा या वा य क ॥ ० ॥
 ल सा ज्ञ वा नि यू मं स १ र्वा डूल ख न न ह्यः । कलि रि ला य का ड ल न क ही दू द
 य क ड ग म ॥ ॥ वा न क मा न यि कि ला क म ॥ ॥ क कू ठि रिः । जू नि न सः । मू ल
 यि य ति । स ला गः । यु न मा ड । कलि न वा लः । रु य कः । स र्वा ना ग ना ग ॥ ॥ थ मा ना सः
 य व थि न क ॥ ॥ त्य रु नि हा । र्वा स य य र्वा । अ धि नी या व मा य स र य य क ॥ ॥ वि ठ
 स यूः । ठि रु साः । यि य लिः । स ला गः । यु न मा ड कः । वा ल क मा या याः । कि मि ना ग ॥ ॥
 ण वि नि हाः । र्वा स य ह्यः । वा ल क र य स या व या ना ग ॥ ॥ स न जी लः । गु ठिः । व्य
 नः । थ न भा डः । वा ल क मा य रू यी जी ना ग ॥ ॥ कलिः । या न स रू रूः । यि य लिः

वा न क मा न यि कि ला क म ॥

५५ य स ला गः । यु नः । मं स १ थ न कः । स या डाल हा स्य । य न त्या ड ना ग ॥ ॥

म. ध्यानामनागलखण्डु॥ ॥ जन्मयुष्मः दन्तदात्रुः शालमाजः स्वर्गसिंयाहाः श्रीरव
नुः ठगनायहाः कूटः कुरुमनिः इगः स्वानमाहाः जगन्धमनठिः मत्रयः पियलि
मानयलीः धः स्यन्धुः कास्यवाः शुठिः कर्कटाहिः धनं स तागः कर्षः १ धनः का० दा
यः लखरुं ४ वरिष्ठसूयकः कूटवायः धलखसः यकनरुं १ नायकायः सादरुं ४ ज
कित्रहागीरुं १ २५ साधुनः कुलजिन्दावः वाकस्ययः श्रीरवधुशकः न्यानर्कः याना
वः साधासकायः दनसाः कस्तुत्रिः कर्षयकायः धनकनयागुहा॥ वाकः पिलैः ध्रुवाः
कमः वसनः खतः कस्तुद्रः ० लाहुनस्य वाकवीनहायावीषः रुत्रवः श्रीवशवया
रुसनवापनपूया॥ जन्मि यातः अधिवाताः साधवागः शुलः अरुनत॥ मि कर्क
सयुष्मः मातस्याकः मिखास्याकः गलस्याकः यलसग्वसः याहुनामसः व्यकसरीः मायाः

सदायादयिवः कासवदिः वनवकः आत्मधीलः पत्रगं ताहा॥ लयिनामईतयायद्वि॥

सयुह्यः भाउह्यः कः। भखाह्यः कः गलह्यः कः व्यलमग्वहः। पाधुनामहः व्यकवहः। भाया

महायादयिवः कामवृद्धिः वनवनाः आत्मथीलः पत्रगैनाग ॥ लक्ष्मिनामर्दनयायदनी ॥
 श्रीधनः क्लेशसिद्धिः ॥ ० ॥ धनवनः लखरुं १ साइइकुत १ धनकुत १ डासनः १ कठूयिप्य
 लामूलः वातः अरुमातः युनिः वतसः नकपिप्यलिः १ दिग्गः १ शुवाकलः १ वतयिः १ स्या १ १ १ १
 विधिः १ यैगयिः १ सिपिः १ यरुकः १ व १ म १ स १ र १ य १ न १ स १ म १ स १ १ धनः १ न १ म १ स १ ग १ डासनकुल

यजयावक

[illegible]

इत कयत्रयत्रकावः ताति का कावः वेगनसनिवः कामसकृतः का धर्तः वेगनसनिवः ॥
विनासः ग्यासः नाति का वसनिवः स्पहन ॥ ० ॥ अणयूधुं रुवेका युः गुर्वि सास्यगति
यसि ॥ न का व रुतिदिफात्माः रुदावेगवनिजिना ॥ ॥ ही यावया नातिः का कावः प्या
यत्र दहावसनिवः न समागतपूमानाति का कस्यः ज्यानस्यः साम्यनसनिवः ॥ ॥
सिभिं द्ववइइत नस्य पायः ही यावया ॥ ॥ जादशतीः साखनवल्लडः नानही
ववया ॥ ॥ शक्यात्रइइसगमकूठरिह्यैः रुः थः गायः ग्यात्रस्यत्रययावनकः। स्व
मर्कया नमाललैखल्वनमनवः प्याकसकदयूव ॥ ॥ रुर्नकि मायासकाहना ॥ लामूखानयासाः
मायासाउवधुयाइइत नस्यः मरुयकूडू उयवासयायकैः सनि नानाय व हूप ॥ मरु
पूजाकामदिनसः थ धूनकावः डासननकैः गन्धिनीमिसायावैः मायादयिव ॥ ॥

उतप्यानरुशानयाठशत्रकावः धत्रकनकावरास्यैतनदित ॥ कानवसाइइत

पूजा कामदिनसः धूतकावः डासननकः गन्धिनीमिताया वैः भायादयिव ॥ ॥

त्रयस्यानग्नस्तया कृष्णकावः धूतकनकावः स्यात्वनदिनः पूजा न के सादृश्वतु
नवः भाया क्मा यतुवावमाः कायकायकप्रयालहना ॥ ॥ अग्नगधः कायूनः धूताना
दमाहाः वडिमातः कातुहः अयासर्ग्याहाः स्मतागः ग्वतुजनवातनः संत ३
धवागु क्लमाड ॥ किस्तिवल्वायै सनर्थ शव ॥ ॥ ठगनामहाः यंदग्वा काह्यैः गमवः
नग्नमाड ॥ भनीचस्त्यालः धनः म्नी प्रहंगमायः तावृत्तिवीर्याठमशव ॥ ॥ गम
नाकायनः स्तयाहीनवातः गन के नयावाः लखस्तगयाव ॥ स्तमाहनयश्वः डाया
तामथः कायः धमनमावः मिस्तानखनकावः वस्तयामशना ॥ ॥ डागाकादूखानरुमनी
यनः धनगाः सनलर्यः कृष्णानीसमानः खबनातनमः म्नी माहनी ॥ ॥ सावनप्र १
सथलाकु कर्ष १ संत १ पूवाक संत १ गन्धि वि कर्ष १ धन कायकः धूतु वि आयमशना ॥ ॥

गङ्गायामि यद्वाः दीर्घस्यः उषधा ऊपासायुः यद्वाः भित्तखानः उर्ध्वं धनशुभः
खानविः धनस्यैता गङ्गायकः सुयकः कालरघुसूयः यद्विषायकैः कामा
वः यास्यैर्नद्रिष्टिः धननमसखानसिद्धिः ॥ ॥ नृवत्तलः वसदाहनस्यः कृति
मदयकः ॥ ॥ यमागीतः कायउवावावः हिंदईथकावः यिगानदलः साधननका
लावः कके ० याककासः भनशुयकः नसकनः कृतिदादसियिव ॥ ॥ कठ
कठकी खानमाहाः नासथंठः खसनाः साधनसनायिव ॥ ॥ नीनकनाथहाः
नासथंठः सर्वतयनाथ ॥ ॥ नीलउरुतलानासथंठः खनकायययकः ॥ विनूका निरुजा
गविधिः ॥ ॥ कृतिद्वीकलैखवीष ॥ ॥ सनिहाः कामः साधनवीष ॥ ॥ साधनिः
खाताः वीष ॥ ॥ हायाः खठः वीष ॥ ॥ जावः दावः वीष ॥ ॥ दजनाउः दसत

दसतलसतमाधनविष ॥ ॥ दैरुतिदीयः नदयतिः नदयतिः नदयतिः

खासा... साया... वाया... वाया... वाया... वाया...

कंसरु सुसुतमा धनविष ॥ ॥ ठं कुठिं गः कुठगुलिः वेनाहिं नवूदावीष ॥ ॥
कुसुखायिनिः कलिबदीष ॥ ॥ धनसाखनः उलिं धनविष ॥ ॥ **धनसाखनः**
विष ॥ ॥ **॥ ॐ ॥** ॥ धनियामानः कलि ॥ ॥ इहयामालः पिय्यलि ॥ ॥ धनयामालः
यादू ॥ ॥ साखनयामानः पाययामालः चिरुन ॥ ॥ लायामालः धनिना ॥ ॥ दायामा
लः यादू ॥ ॥ याकूयामालः मनय ॥ ॥ यादूयामालः याकू ॥ ॥ खायूयामालः याकू ॥ ॥
खायूयामालः सुठि ॥ ॥ यात्रूयामालयि ॥ ॥ सोकूयामालः खधू ॥ ॥ वित्रूयामालः ख
यू ॥ ॥ जम्बलयामानः वेदरि ॥ ॥ रुठस्ययामालः खवाकू ॥ ॥ कधुयामालः मनय ॥ ॥
कुठगुनिमामुसुनिमामालः जम्बल ॥ ॥ सुयामालः साखन ॥ ॥ धीयामालः पाः खयुमि ॥ ॥
नानिकलमाः गवसुयामालः यूवाक ॥ ॥ रुठस्ययामालः मनयः कास्यः मनस्यामा
लः क्रिनिमि ॥ ॥ धनः धनिकलनलका कलखनानक ॥ ॥ वदनः रुकनः काकनः साकः

धनयामानः

कं: नलिक: हलिकन कं: मुं य न सुता: न कलना: धन: व कला: वंखाता: थ सखाता:
काप: आ धी रिठ पिरु इ न स याल्व न स ॥ कामलस (नक क न स: न माल: प
ठ माल: मूग: क न स: प र्क: भा हा नि नि: र ठा कि मि: या पा उ आ दि न: जी कल इ
कू न व ॥ ॥ मिखा प्राय मा: अ गृ गृ ल मा: ग्र ह नि मा: अ र्ज मा: म ह मा: वि ड धि प्राय
या: घा न मा द्वा क स: मूग: कल स न न व ॥ ॥ य न प्राय मा: ग्र ह धी मा: ध नि आ
न मूल न व: क द प ॥ ॥ न्य क न माय मा: न क वा न मा: उ मा द मा: कृ ष्ण नाय मा: पि र्क
क न स या काय यि या ल न व ॥ ॥ न नु न क न इ ना स ॥ उ स न माय म ठ व ॥ ॥ वा कि
क स क ना उ व: न व ना उ व पि र्क क। शुष मा द्वा द ग र्द न: क न म कि व रं व र्द ॥ ॥
वा न मा क स या या कू पि र्क मा ग या कि कू: शुष या कि म न कू: ध न ना उ स न मा

यमठव ॥ ॥ यं गुहिलाः वा कुलासनः धाननि ॥ १ ॥ नवकुलाः दिक्कुलाः
स्य ६ ॥ २ ॥ गुहिला ॥ ००० लता ३६ ॥ ३ ॥ कठिलाः कायलाः कलि ॥ ४ ॥ र्थिसलाः
कासनाः साखन ॥ ५ ॥ सलाः कुलाः यन ॥ ६ ॥ थनमसु विगयननविधिः ॥ ७ ॥
००० लताः गुहिलाः र्थिसनाः कासनाः वा नवद्वि ॥ ॥ कठिलाकायला ॥ नवसुन
लाः दिक्कुलाः पितृद्वि ॥ ॥ सनाः कुलाः यं गुहिलाः वं कुलाः शुष्मद्वि ॥ ॥
लानाधिकारवकाः रुदयपि र्थिसनया क. नृ. शुष्मानिनः ॥ ००० ॥ उमा र्थि विधि
रुथा ॥ ॥ वा नमाथमया नसः पितृमाथमः लृ. गुरु स. शुष्माम ॥ गानसः नसका ॥ ० ॥
याकूः साकूः त्रिदावकय ॥ खामूः यालूः पिलूः पिलेकय ॥ यादू ॥ याकूः शुष्मकयः
ने नानसतया नसकव ॥ ॥ सामाने उ विगयननः रुतार्थवानकयता गू पिलानम

नशादाकूः वरुदसात्रयिकथा ॥ ॥ वा नान नन नमा वा नन नन पिलानम

[illegible]

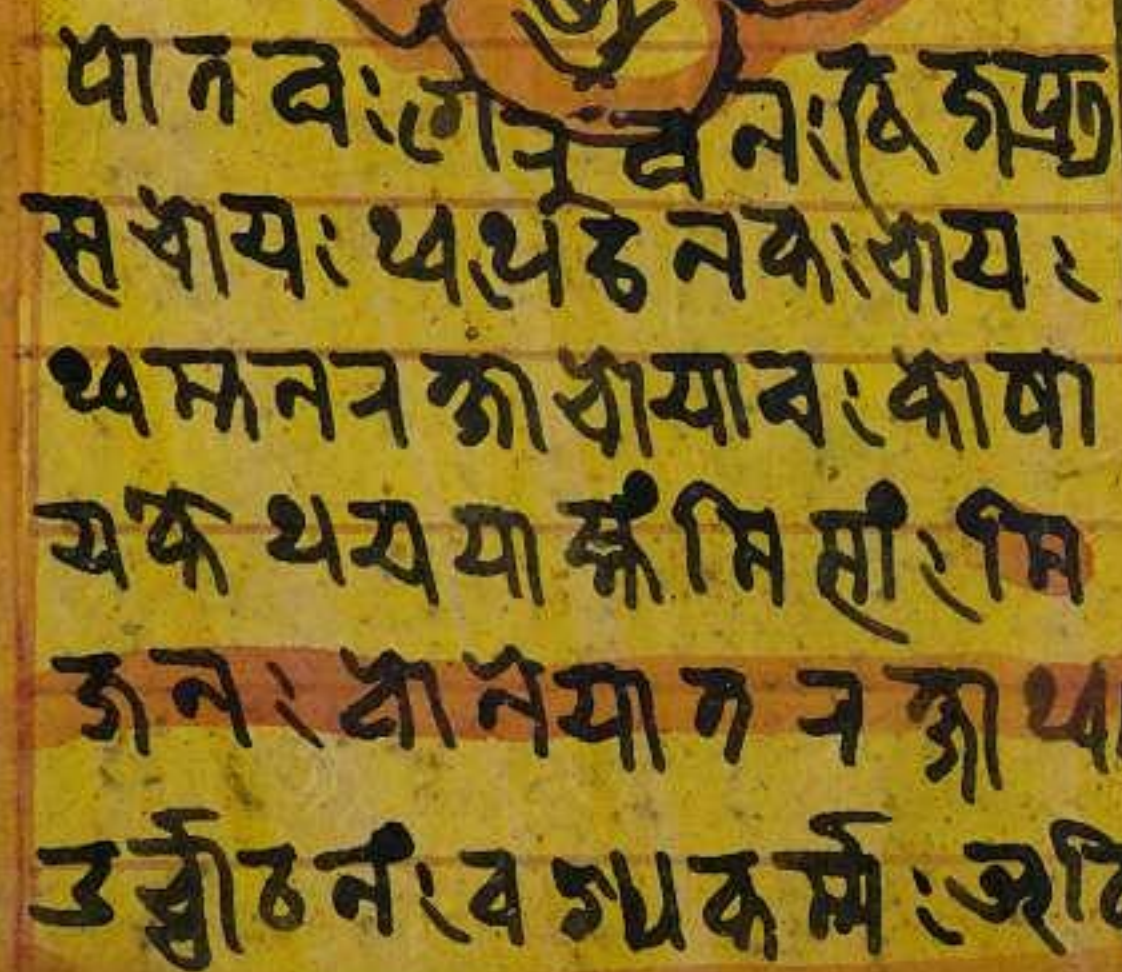
गसाः प्रयमेदायाव नायः, सनइ, लायइ, उधोनयाय भासः जागनससासा ॥ ३९ ॥
मम १ कयकुरुः कसा १ ककदि निः, कना १ पादिनः, कना १ साधनः, काकुयनः, यून
मयावु निताया १ उमसुन
निन स्वासि अल्ववृद्धि सा धूकननः प नाप कानयायः ॥ ४० ॥ दाका नः ॥ ४१ ॥ नपा नः
लायानः ॥ ४२ ॥ गयान सउ ला सया रुनः ॥ ४३ ॥ स कन अ निपु या स म सा ल कं स य कं द वः
धर्व द्र ॥ ४४ ॥ मुलि ता स धा सीः अन रु ना म ठ वः ॥ ४५ ॥ फ या म मा ल रु ना ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ न न स
लेः या क नः ॥ ४८ ॥ उल स्य नू जा य रुं ॥ ४९ ॥ स र्वा त य रु न या पिः ॥ ५० ॥ र व नो म न मी ष र्ध ॥ ॥
पु ष ठ ष ठ वि म स विल मः व न व न यः ॥ ५१ ॥ नू य न ल ॥ ५२ ॥ मु ले नि र्वा ष स्वा सा ॥ ॥ ५३ ॥ वा रु जा
पि रुं जाः ॥ ५४ ॥ ना गा ॥ ५५ ॥ य मा न लि या नि जा ॥ ५६ ॥ रु ना धु सु र्वा ना ग म ॥ ५७ ॥ स्य लि त व रु म र्वा का ॥ ५८ ॥
॥ ५९ ॥ नि न या न रा वा नं व्य ही न याः ॥ ६० ॥ र्वा द्र ॥ ६१ ॥ मु र्वा पू र्वा म मा य ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ अ रु रु ला रु मी रु
है रु नि म रु ॥ ६४ ॥ अ म न यून रु ना ना ला ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ रु रु र्वा या रु वा थ य ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ न पा न या
रा वा ॥ ६९ ॥ र्वा थि ॥ ७० ॥ व न कि रु रु यः ॥ ७१ ॥ रु रु रु नाः ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ न न रु रु रु न पि र्वा व ना व नि र्वा य ॥ १ ॥

प्रकाश भाग १०
कडाव ॥ अतः ॥ ॐ ओं नीतक रन मू नीतक र मा ह नीतक र सि
हि क माती कातक विद्यु नत के ई त क र व ड त क र ह ३ हू हू
खा हा ॥ मा ह नि ती ह्य कडाव ॥ ॐ व र घात य र कि त य कि त
य सर्व ३ खान मात सा कि ति अ घात घात ह य ना सि नि पा का
त ह का त उ त त ह द कालि का जाग्रि म म त क र सि हि ति त य हू
रू हू मा हा ॥ अ कालि क थी पृ ५ क व त य डा वि डा दि ग रं हा य
थे न द थु सु बा न वा कि नी हू न य त द डा ति दे डा ता न थी य न द मु ॥
ॐ का ही हू गय द हू त वा य का हा ॥ ही हू न य ता या य व ति हि

मा मा तः र्षत सु म द त थी ता यं ज्ञायः ज्ञाय त वृ न ॥ ३ न मा श्री
दि काय ॥ न म ॥ मा या च वृ थी ता याः उ ग दा का म । लो हाः जा क र्ते
द द त्रि मा ता वि ष्व मा ताः य डा मा ताः ला ग त श्री मा हा मा या
ह ॥ ज्ञा ति न म नु ते व र्ज जा जि न म रु ते ॥ ॥ ३ म सा न वा सा
हा न सा हि त डा ॥ ५ थ मु वि वा डा न म सा न वा वा थ न मा त न वा
यः स तु या के व त्रि त य य न मा त न ॥ ३ न मा श्री व ह्म मि वि कृ त्रु कां
क्री कूं वि ल सा हा ॥ ५ मु न र्ते र्व ल न क वि ति र्श य ॥ ३ वं धुं मां हा क
नां थ नां य खं हां हा ॥ मा त मा त ॥ ३ वि त न त हिं सिं हः हा हा वा वाः हा

क ति कूं कूं कूं कूं कूं कूं कूं कि ला हा ॥ ५ १० ता त मा त ॥ ३ धी का मा त

[illegible]



वन शायः थसुक्र

पः थ थ द क श य

उत्तमः श्रीवत्सलः का

याज्ञिकः विद्वत्पुत्रः



ASHA ARCHIVES

656

I

Handwritten text at the top of the page, likely a title or introductory section, written in Devanagari script.

Main body of handwritten text in Devanagari script, consisting of approximately 12 lines. The text is densely packed and appears to be a continuous passage.

Vertical text on the right margin, possibly a reference or a note, written in Devanagari script.

Handwritten text at the bottom of the page, likely a concluding section or a separate entry, written in Devanagari script.

711214

॥५५॥

1314262 || 1145 | 5177 || 1478 || 6178 || 10178 || 10178 || 10178 ||

[illegible]

[illegible]

२३ साधनिः स्वधनिः, किं नामने, उतपद
२४ साधनिः धानन एतनपूयाः साधनि



Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is written on aged, yellowed paper with red horizontal ruling lines. The script is dense and fills most of the page.

Handwritten text at the bottom of the page, possibly a continuation or a separate entry.

Handwritten text in a script, likely Devanagari, at the top of the page.

Main body of handwritten text in a script, likely Devanagari, consisting of approximately 12 lines.

Vertical text on the left margin, likely a commentary or a list of items.

Handwritten text at the top of the page, likely a title or header, written in a cursive script.

Main body of handwritten text, consisting of approximately 10 lines. The script is a cursive form of an Indic language, possibly Grantha or Tamil. The text is written in black ink on aged, yellowed paper. There are some red markings and lines interspersed within the text, possibly indicating specific words or sections.

Vertical text on the right margin, written in a different script or as a commentary. It appears to be a list or index of some kind, with several lines of text.

Handwritten text at the top of the page, partially obscured by the binding.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of Indic script, covering the main body of the page. The text is organized into several lines, with some lines featuring red ink markings or underlining. The script is dense and characteristic of historical manuscript notation.

1154665

五五五五五五五五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

上 后 乙 丙 丁 戊 己 庚

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

1
 2
 3
 4
 5
 6
 7
 8
 9
 10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10
 11
 12
 13
 14
 15
 16
 17
 18
 19
 20
 21
 22
 23
 24
 25
 26
 27
 28
 29
 30
 31
 32
 33
 34
 35
 36
 37
 38
 39
 40
 41
 42
 43
 44
 45
 46
 47
 48
 49
 50
 51
 52
 53
 54
 55
 56
 57
 58
 59
 60
 61
 62
 63
 64
 65
 66
 67
 68
 69
 70
 71
 72
 73
 74
 75
 76
 77
 78
 79
 80
 81
 82
 83
 84
 85
 86
 87
 88
 89
 90
 91
 92
 93
 94
 95
 96
 97
 98
 99
 100

[illegible][illegible]

收之 15 上 15 上、15 上 15 上 15 上、15

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥